क्या कहते हैं समाचार-पत्र

शिक्षा को संस्कार से जोड़ना व राष्ट्रीय मूल्यों की स्थापना ही प्रमुख उद्देश्य

महानगर संवाददाता, गोरखपुर

गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी एवं सांसद योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री या प्रमाणपत्र देने तक सीमित न रहे वरन संस्कारों से जुड़े ऐसा प्रत्येक भारतवासी का प्रयास होना चाहिए। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ की स्थापना शिक्षा को संस्कार से जोड़ने, राष्ट्रीय भावना एवं मूल्यों की स्थापना के पवित्र उद्देश्य को लेकर की गयी है।

सांसद आदित्यनाथ ने मंगलवार को जागरण से विशेष बातचीत के दौरान कहा कि वर्ष 1932 में ब्रह्मलीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ ने शैक्षिक रूप से अति पिछड़े गोरखपुर में मातृभूमि के लिए त्याग और बलिदान की एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करने वाले महाराणा प्रताप के नाम पर 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' की नीव रखी। तबसे लेकर आज तक पूर्वी उत्तर प्रदेश के जनपद गोरखपुर एवं महराजगंज के अंदर निरन्तर प्रयत्नशील होकर परिषद ने शिक्षा की पवित्र दीप जलाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यदि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद न होती तो गोरखपुर विश्वविद्यालय की कल्पना नहीं हो सकती थी क्यों कि परिषद ने अपने एक महत्वपूर्ण संस्थान महाराणा प्रताप कालेज को विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सौंपकर शैक्षिक रूप से अति पिछड़े सम्पूर्ण क्षेत्र के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना के महत्व को समझा और अपनी शैक्षिक प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय का उद्घाटन आज करेंगे प्रो. मुरली मनोहर जोशी : योगी

योगी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वर्तमान कर्णधार गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ जी महराज के नेतृत्व में परिषद निरन्तर प्रगति पर है। डेढ़ दर्जन से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण सस्थाओं के साथ ही महाराणा प्रताप पालीटेक्निक एवं उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में भी परिषद अग्रसर है। अपने संस्थापक की स्मृति में तथा 1957 में जिस महाराणा प्रताप कालेज से गोरखपुर विश्वविद्यालय का शुभारम्भ हुआ उसी स्मृति में एक अन्य संस्थान उसी नाम से गोरखपुर में प्रारम्भ हो, जिसमें एक साथ स्नातक स्तर पर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान की सम्पूर्ण

■ शेष पृष्ठ 15 पर

प्रो. मुरली मनोहर जोशी का आगमन आज, स्वागत की तैयारियां पूरी

महानगर संवाददाता, गोरखपुर

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व मानव संसाधन विकास मंत्री प्रो. मुरली मनोहर जोशी के बुधवार को गोरखपुर आगमन पर स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। गोरखपुर रेलवे स्टेशन से लेकर सर्किट हाउस, जंगल धूसड़, गोरखनाथ मंदिर एवं बेनीगंज स्थित भाजपा कार्यालय जाने वाले मार्गों पर अनेकों तोरणद्वार एवं दर्जनों छोटे-छोटे द्वार बनाए गये हैं। इसके अलावा जिन रास्तों से प्रो. जोशी का काफिला गुजरने वाला है उसे झण्डे एवं बैनर से पाट दिया गया है।

मालूम हो कि भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. जोशी यहां महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ का उद्घाटन करने बतौर मुख्य अतिथि यहां आ रहे हैं। उनके स्वागत में जगह-जगह 22 तोरणद्वार तथा 70 स्थानों पर बैनर एवं छोटे द्वार सजाए गये है। जैसा कि प्रो. जोशी को रेलवे स्टेशन से सीधे सर्किट हाउस पुनः छात्रसंघ चौराहा होते हुए महाराणा प्रताप महाविद्यालय जाना है और फिर उद्घाटन समारोह के पश्चात गोरखनाथ मंदिर जाना है। इसके मद्देनजर प्रो. जोशी का तीन स्थानों यथा असुरन चौक, पादरी बाजार और फिर महाविद्यालय के मोड़ पर स्वागत करने की तैयारी है। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल (महाराणा प्रताप महाविद्यालय) प्रांगण सज-धज कर तैयार है। विशाल पण्डाल में तकरीबन 3000 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गयी है। अतिथियों को पहुंचने पर किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके मद्देनजर महाविद्यालय के दोनों द्वारों पर एक-एक प्रवक्ता एवं चपरासी, पण्डाल में 4 प्रवक्ता एवं तीन चपरासी तथा विशिष्ट अतिथि क्षेत्र में 2 प्रवक्ता एवं 4 चपरासी की तैनाती की गयी है। भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र पाण्डेय ने जनपद के सभी भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सभी मोर्चों, प्रकोष्ठों के जिला व मण्डल पदाधिकारियों तथा निवर्तमान जनप्रतिनिधियों समेत पार्टी की रीतियों-नीतियों में विश्वास रखने वाली आम जनता से [illegible] से गोरखपुर आ रहे प्रो. जोशी का रेलवे स्टेशन पर जोरदार स्वागत करने की अपील की है।

राष्ट्रीय सहारा, गोरखपुर, शनिवार, 31 दिसम्बर, 2005

एमपी महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा क्षेत्र में नई संस्कृति विकसित की

सहारा न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर, 30 दिसम्बर। 'महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ ने अपने प्रथम सत्र में ही उच्च शिक्षा क्षेत्र में एक नयी संस्कृति को जन्म दिया है। महाविद्यालय में एक अगस्त से पढ़ाई शुरू हुई और कुल 98 कार्य दिवस में 196 कक्षाएं चलाकर आज कला व वाणिज्य संकाय के पाठ्यक्रम पूरा कर लिया गया। वार्षिक परीक्षाएं 1 फरवरी से होगी। 7 से 9 जनवरी तक महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सभी छात्र/छात्राएं भाग लेंगे और इसी माह परीक्षा की तैयारी करायी जाएगी।'

यह जानकारी महाविद्यालय के अधिष्ठाता कला संकाय डा. रत्नेश कुमार पाण्डेय व वाणिज्य संकाय के प्रवक्ता डा. अरविन्द शुक्ला ने एक संयुक्त पत्रकारवार्ता में दी। शिक्षकद्वय ने बताया महाविद्यालय गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी योगी आदित्यनाथ के 'हिंदुत्व एवं विकास' के मिशन के अन्तर्गत एक मानक शिक्षण संस्थान के रूप में उभरेगा। इस दिशा में महाविद्यालय क्षेत्र की सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक आदि क्षेत्रों में स्वच्छ परिवर्तन की दिशा में अपनी अकादमिक भूमिका के निर्वहन में सक्रिय रहने हेतु प्रयासरत है। इस कड़ी में 7 से 9 जनवरी को 'ग्रामीण भारत का भविष्य' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी है। इस संगोष्ठी के माध्यम से दीदउ गोविवि, पूर्वांचल विवि, बीएचयू, संपूर्णानंद संस्कृत विवि एवं इससे संबद्ध महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को मिलाकर पूर्वी उप्र के विकास के लिए अनेक कार्यदलों का गठन भी करने का प्रयास होगा।

शिक्षकद्वय ने कहा कि 'शैक्षिक पांचाग, छात्र परिषद का गठन, शनिवार को छात्र/छात्राओं द्वारा कक्षा पढ़ाया जाना, प्रोजेक्ट वर्क, व्याख्यान प्रतियोगिताएं, आम सभा की बैठक में समसामयिक विषयों पर परिचर्चा, मासिक टेस्ट के आधार पर टापटेन छात्र/छात्राओं की सूची बनाकर अध्ययन पर विशेष ध्यान आदि अनेक प्रयोगों के माध्यम से महाविद्यालय में एक स्वस्थ परिसर की संस्कृति की पुनर्स्थापना की है।

शिक्षण संस्थानों का मानक बनेगा महाराणा प्रताप महाविद्यालय

गोरखपुर, ३० दिसम्बर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के कला संकायके अधिष्ठाता डा. रनेश पाण्डेय एवं वाणिज्य विभागके प्रवक्ता डा. अरविन्द शुक्ल ने कहा कि गोरक्षपीठ द्वारा संचालित यह महाविद्यालय क्षेत्र की सामाजिक आर्थिक राजनीतिक क्षेत्रों में स्वच्छ परिवर्तन की दिशामें अपनी अकापदमिक भूमिका के निर्वहन में सक्रिय रहने हेतु प्रयासरत है। हिन्दुत्व तथा विकास के मिशनमें जुटा महाविद्यालय एक मानक शिक्षण संस्थान बनकर उभरेगा।

श्री पाण्डेय एवं श्री शुक्ल संयुक्त रूपसे पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कला संकाय एवं वाणिज्य संकाय के पाठ्यक्रमकी पढ़ाई ३० दिसम्बरको पूरी हो गई। एक अगस्त से पढ़ाई शुरू हुई थी आज तक कुल ९८ कार्य दिवसमें १९६ कक्षाएं पढ़ाई गयी। जनवरी माहमें परीक्षाकी तैयारी करायी जायेगी तथा १ फरवरीसे वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो जायेंगी।

अध्यापक द्वयने कहा कि ७ से ९ जनवरी तक महाविद्यालय में होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी क्षेत्रके सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकासमें महत्वपूर्ण साबित होगी।

आज
गोरखपुर, शनिवार, ३१ दिसम्बर २००५

जनसत्ता एक्सप्रेस
लखनऊ, 6 जनवरी 2006

'महाराणा प्रताप महाविद्यालय में नयी कार्य संस्कृति का जन्म'

गोरखपुर कार्यालय

गोरखपुर, 5 जनवरी। महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना गोरक्षपीठ द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अन्तर्गत शिक्षा के क्षेत्र में किये जाने वाले निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। 7-9 जनवरी को महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी गोरक्षपीठ की एक महत्वपूर्ण अकादमिक पहल है। अपने प्रथम सत्र में ही महाराणा प्रताप महाविद्यालय ने अपनी अलग विशिष्ट पहचान बनायी है। उच्च स्तरीय पठन पाठन दिल्ली मद्रास और कोलकाता की शिक्षा संस्थानों की तर्ज पर मातृभाषा की प्रधानता के साथ इस शिक्षण संस्थान ने अनेक मानक स्थापित किया है। 31 दिसंबर तक 98 कार्य दिवसों में प्रत्येक विषय में 196 पीरियड पढ़ाकर पाठ्यक्रम पूर्ण करा देना एक आश्चर्यजनक उपलब्धि है। छात्र परिषद का जो रोल माडल इस महाविद्यालय ने खड़ा किया है वह भी अनुकरणीय है। प्रथम सत्र में 625 छात्र छात्राओं का प्रवेश इस महाविद्यालय के प्रति विश्वसनीय आकर्षण का प्रमाण है। उक्त बातें आज एक प्रेस वार्ता में उपाध्यक्ष प्रबंध समिति एवं पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह ने कही।

प्रो. सिंह ने कहा कि महाविद्यालय ने अपने प्रथम सत्र में ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नयी कार्य संस्कृति का जन्म दिया है। शैक्षिक पांचांग, छात्र परिषद का गठन शनिवार की कक्षायें छात्र छात्राओं द्वारा पढ़ाया जाना प्रोजक्ट वर्क व्याख्यान प्रतियोगितायें, हर शनिवार को छात्र परिषद की आम सभा की बैठक आम सभा की बैठक में समसामयकि विषयों पर परिचर्चा, प्रत्येक प्राध्यापकों द्वारा छात्र छात्राओं के परिसर व्यवहार पर ध्यान रखना, मासिक टेस्ट के आधार पर टाप टेन छात्र छात्राओं की सूची बनाकर उनके अध्ययन पर विशेष ध्यान आदि अनेक प्रयोगों के माध्यम से महाविद्यालय ने एक स्वस्थ परिसर संस्कृति की पुनर्स्थापना की है।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय योगी आदित्यनाथ द्वारा परिकल्पित शैक्षिक माडल के रूप में खड़ा किया जा रहा है। श्री गुरू गोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में गोरक्षपीठ द्वारा खड़ा किया गया आदर्श नमूना है।

गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी एवं सांसद योगी आदित्यनाथ के हिन्दुत्व एवं विकास मिशन के अन्तर्गत जनक्रांति एवं बौद्धिक क्रांति की शुरूआत पूर्वी उत्तर प्रदेश में हो चुकी है। अकादमिक चर्चा परिचर्चा से देश के विकास का माडल देने हेतु गोरखपुर तैयार हो रहा है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी इसी बौद्धिक क्रांति की शुरूआत है।

उधर संयोजक स्वागत समिति एवं भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री संजय राय ने कहा कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ ने पूर्वी उत्तर प्रदेश मे विकास आधारित माडल खड़ा करने हेतु अकादमिक पहल की एक नयी शुरूआत की हे। 7 से 9 जनवरी तक आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी इसी पहल की प्रथम कड़ी है। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं उससे संबद्ध संस्थायें मात्र डिग्री बांटने का कार्यालय न बनकर क्षेत्र के सामाजिक राजनीतिक आर्थिक सांस्कृतिक आदि क्षेत्रों में भूमिका तय करने वाले व्यक्तित्व युक्त नयी पीढ़ी खड़ी करें इस दिशा में यह पहल है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के स्वागत समिति के संयोजक श्री राय ने उक्त बातें एक पत्रकार वार्ता में कही।

श्री राय ने कहा कि देश की व्यवस्था पर मिशन विहीन एवं स्वहित प्रधान प्रवृत्ति युक्त राजनेताओं एवं नौकरशाहों का कब्जा हो चुका है। देश की मेधा अलग थलग पड़ी है और अपने को उपेक्षित महसूस कर रही है। राष्ट्रीय विकास की दिशा में आज की यह मांग है कि देश की मेधा का भारत की सांस्कृतिक परम्परा के अनुरूप विकास माडल खड़ा करने में उपयोग किया जाय। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ ने इसी परिकल्पना को लेकर देश के विद्वानों एवं इस क्षेत्र की मेधा को आगे बढ़ने के आह्वान के साथ इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया है।

राष्ट्रीय सहारा

आज से अकादमिक बहस का केंद्र बनेगा एमपी महाविद्यालय

सहारा न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर, 6 जनवरी। महानगर के पूर्वी छोर पर स्थित महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ कल से तीन दिनों तक अकादमिक बहस का केंद्र बनेगा, जहां देशभर से आये विद्वान 'ग्रामीण भारत का भविष्य' विषय पर पर चर्चा करेंगे। महानगर में सदर सांसद योगी आदित्यनाथ के प्रयास से पहली बार आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ स्वदेशी आंदोलन के अगुवा एवं राजनीतिक चिंतक के. एन. गोविन्दाचार्य के उद्‌घाटन भाषण से होगा। समापन जनसत्ता के पूर्व संपादक राहुल देव के उद्बोधन से होगा।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा नव स्थापित महाराणा प्रताप महाविद्यालय में पूर्वी उप्र के विकास को केंद्र में रखकर 'ग्रामीण भारत का भविष्य' विषय पर आयोजित इस त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 12 प्रांतों के लगभग सवा सौ शिक्षाविद एवं विषय विशेषज्ञ सहित तीन सौ प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। संगोष्ठी में शामिल होने वाले ख्यातिलब्ध शिक्षाविदों में प्रो. नूर मुहम्मद (दिल्ली) प्रो. महेश नारायण निगम (राजस्थान), प्रो. डी. के. सिंह (भुवनेश्वर) समेत स्थानीय शिक्षाविद हिस्सा लेंगे। ये सभी विद्वान संगोष्ठी के मुख्य विचारणीय विषयों- ग्रामीण जनसंख्या की गत्यात्मकता, शिशु स्वास्थ्य, लिंग, भेद एवं महिला सशक्तीकरण, जातीय भारत एक राजनीतिक परिदृश्य, जातीय भारत के मानवीय आयाम एवं मानवाधिकार, जातीय गत्यात्मकता, अरण्य संस्कृति का बदलता प्रतिरूप, द्वीपीय अरण्य संस्कृति पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

● गोविंदाचार्य के उद्‌घाटन भाषण से शुरू होगी 'ग्रामीण भारत के भविष्य' पर चर्चा

इस अ कादमिक बहस का केंद्र बिंदु पूर्वी उप्र का पिछड़ापन होगा जिसके सभी पहलुओं पर विचार के बाद जो निष्कर्ष निकलेंगे उसे केंद्र व राज्य सरकार के अलावा विकास की अन्य एजेंसियों को भेजा जाएगा।

संगोष्ठी का उदघाटन कल 7 जनवरी को महाविद्यालय प्रागंण में 10.30 बजे से होगा। गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ के सानिध्य में होने जा रही संगोष्ठी के उद्‌घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अरुण कुमार व विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विवि के पूर्व कुलपति एवं मैसूर विवि के जाकिर हुसैन चेयर के अध्यक्ष प्रो. आर.पी. मिश्र होंगे। उद्‌घाटन सत्र के बाद अपराह्न 2.30 बजे से तीन समानांतर कक्षों में तकनीकी सत्र प्रारंभ होंगे। इस विशेष व्याख्यान में प्रो. एस.एन. प्रसाद व प्रो. आर.एस. दुबे व अन्य दो तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता प्रो. वाई. जी. जोशी, प्रो. जे.एन. पाण्डेय व प्रो. शिवशंकर वर्मा करेंगे।

आउटलुक, 23 जनवरी, 2006

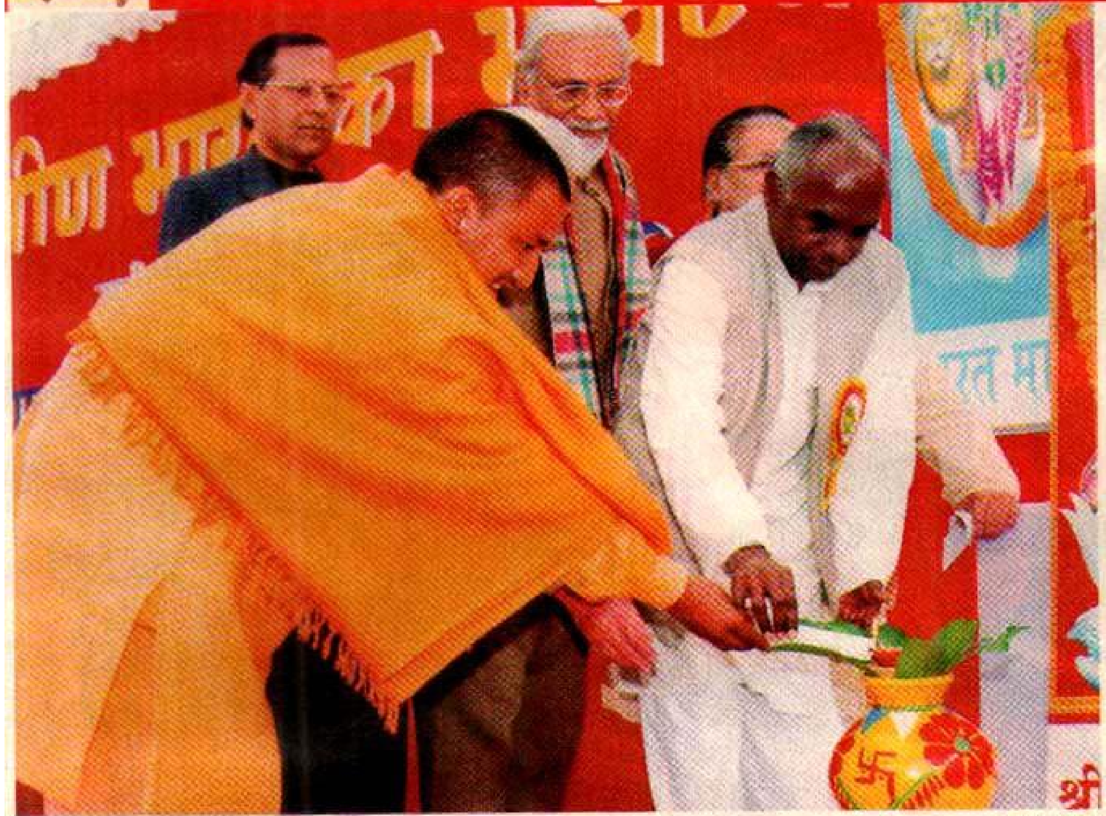

छाया: अजय

■ गोरखपुर

योगी आदित्यनाथ (बाएं) गोविंदाचार्य के साथ

हिंदुत्व के लबादे में विकास

गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की ही तर्ज पर पूर्वांचल को हिंदुत्व की प्रयोगशाला बनाने के उग्र पैरोकार योगी आदित्यनाथ अपनी राजनीतिक स्क्रिप्ट में वह सब कुछ समाहित कर लेना चाहते हैं जो उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति में सहायक सिद्ध हो सके। पहली बार योगी जब चुनावी समर में उतरे तो उन्होंने कट्टर हिंदुत्व का लबादा ओढ़ा। इसकी तस्दीक योगी के चुनावी संबोधनों में हुई, जब उन्होंने यह कहने में परहेज नहीं किया, 'मुस्लिम यहां से चले जाएं, उन्हें मेरी बात पसंद नहीं आएगी।' दूसरी बार योगी जब चुनावी दंगल में कूदे तो उन्होंने हिंदुत्व के साथ-साथ विकास पर जोर दिया। योगी यह कहने लगे कि 'विकास ही भगवान है। परिपक्व राजनीतिक खिलाड़ी के रूप में तब्दील में हो रहे योगी अब अपना दखल ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचाना चाहते हैं। गोरखपुर के महाराणा प्रताप महाविद्यालय में हुआ आयोजन 'ग्रामीण भारत का भविष्य पूर्वांचल के संदर्भ में', योगी की इसी कवायद का नतीजा माना जा रहा है। असल में योगी 'अपने हिंदुत्व' की वजह से भले ही 'युवा हृदय सम्राट' बन गए हों लेकिन हिंदुत्व के एजेंडे पर अकादमिक मुहर लगाने की छटपटाहट समय-समय पर उजागर होती रही है। इस संगोष्ठी में एक-तिहाई से अधिक विद्वान संघ की पृष्ठभूमि के आए। भाजपा के पूर्व महासचिव और खाटी संघी के.एन. गोविंदाचार्य ने संगोष्ठी में शिरकत की।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आर.पी. मिश्र ने *आउटलुक साप्ताहिक* से बातचीत में कहा, '1964 में मैंने पहली बार ग्रामीण भारत के विकास विषयक संगोष्ठी में भाग लिया था। गांव को लेकर जो सवाल तब थे, वही आज भी हैं। इसलिए विकास के प्रयास में बढ़े हर कदम को हमारा समर्थन है।' योगी ने विद्वानों को विश्वास दिलाते हुए कहा, 'संगोष्ठी में उठे सवालों को मैं सड़क से लेकर संसद तक उठाऊंगा।' संगोष्ठी के सूत्रधार और महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव कहते हैं, 'हर प्रयास को राजनीतिक नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। तकरीबन 300 प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ग्रामीण भारत का भविष्य विषय पर सार्थक बहस हुई।' यह तो समय ही बताएगा कि योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व के लबादे में विकास की ओढ़नी इस्तेमाल करने में कितने सफल होते हैं। ●

अजय श्रीवास्तव

दैनिक जागरण महानगर गोरखपुर, 3 फरवरी, 2006

प्री-यूनिवर्सिटी परीक्षा : महाराणा प्रताप महाविद्यालय में नया प्रयोग

महानगर संवाददाता, गोरखपुर

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ ने एक नये प्रयोग के तहत प्री-यूनिवर्सिटी परीक्षा प्रारम्भ कर दी है। इस परीक्षा के पीछे महाविद्यालय प्रशासन का निहितार्थ है शत्-प्रतिशत् परिणाम।

■ उत्तीर्ण अभ्यर्थी ही शामिल होंगे विश्वविद्यालयीय परीक्षा में

मिली जानकारी अनुसार प्री-यूनिवर्सिटी परीक्षा प्रारम्भ करने से पूर्व महाविद्यालय प्रशासन ने स्नातक प्रथम वर्ष के सभी विषयों के पाठ्यक्रमों की पढ़ाई पूर्ण करा ली है। इतना ही नहीं पाक्षिक प्री-टेस्ट के जरिए छात्र-छात्राओं की विधिवत विषयगत तैयारी भी करा ली है। यही कारण है कि महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप राव ने प्री-यूनिवर्सिटी परीक्षा कराने से पूर्व सत्रारम्भ के दौरान ही 75 प्रतिशत उपस्थिति की अनिवार्यता लागू कर दी थी। छात्र-छात्राओं को प्रवेश के दौरान विवरणिका में भी इसका उल्लेख कर दिया था कि 75 प्रतिशत कक्षा में उपस्थिति अनिवार्य होगी जो उपस्थित नहीं होंगे उन्हें परीक्षा में शामिल नहीं होने दिया जाएगा।

हालांकि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध लगभग सभी महाविद्यालयों के विवरणिका में इस आशय का उल्लेख रहता है कि 75 प्रतिशत उपस्थित अनिवार्य है लेकिन अधिकांश में इस आदेश का अनुपालन न होने से महाराणा प्रताप महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में सत्रारम्भ के दौरान भ्रम था कि यह आदेश मात्र कागजी है। लेकिन सत्र शुरू होने के कुछ ही दिन बाद प्राचार्य ने पुनः सूचना जारी कर कड़ी चेतावनी दे डाली जिससे छात्र-छात्राएं सतर्क हो गये और कक्षा में उपस्थित होने लगे। इसी के साथ प्राचार्य डा. राव ने प्री-यूनिवर्सिटी परीक्षा कराने का निर्णय लिया और यह आदेश जारी कर दिया कि जो अभ्यर्थी महाविद्यालय की परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे अथवा निर्धारित मानक अंक अर्जित करेंगे वही विश्वविद्यालय की परीक्षा में शामिल होंगे।

मिली जानकारी के अनुसार कुछ छात्र-छात्राओं ने इस निर्णय का प्राचार्य से विरोध भी दर्ज करायी लेकिन वे अपने निर्णय पर अडिग रहे और चेतावनी दे डाला कि जो परीक्षा का बहिष्कार करेगा वह अनुशासनहीनता की श्रेणी में आएगा और उसका प्रवेश भी निरस्त किया जा सकता है। परिणाम यह रहा कि सभी छात्र-छात्राएं परीक्षा दे रहे हैं।

इंडिया टुडे, 1 फरवरी 2006

संगोष्ठी में माइक पर योगी, और अन्य वक्ता मंच पर

बहस का नतीजा

गोरखपुरः महाराणा प्रताप महाविद्यालय में पिछले दिनों *ग्रामीण भारत का भविष्य* विषय पर हुई तीन दिन की संगोष्ठी अकादमिक दृष्टि से तो रस्मी ही थी पर इसके निहितार्थ थोड़े अलग नजर आए. गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी सांसद योगी आदित्यनाथ की अगुआई में हुई इस संगोष्ठी को विकास के हिंदुत्व मॉडल पर चर्चा के रूप में देखा गया. उद्घाटन समारोह में विचारक गोविंदाचार्य ने इसकी एक मजबूत स्थापना दी. समापन वक्तव्य में भरत झुनझुनवाला की अपील थी कि विदेश में भारतीयता और स्वदेशी की मार्केटिंग की जरूरत है. 200 से ज्यादा विशेषज्ञों और अकादमिकों की हिस्सेदारी वाली संगोष्ठी की एक अहम उपलब्धि महाविद्यालय ने समीपवर्ती गांव जंगल दुसाध को इन्हीं नतीजों के आधार पर विकसित करने की जिम्मेदारी ले ली.

मगहरः पांच दिन का सालाना मगहर महोत्सव देश भर के कबीरपंथियों के लिए जुटान का मौका देता है. इसीलिए इस बार उनका तर्क था कि इसकी अवधि बढ़ाई जाए क्योंकि पांच दिन में सब कुछ समेटने की कोशिश में कबीर कहीं कोने में छूट जाते हैं. बहरहाल, इस बार सर्वधर्म सम्मेलन, कबीर दरबार, निर्गुण भजन और संगीत प्रस्तुतियों के अलावा *मेघदूत की पूर्वांचल यात्रा* और *कबीर के लोग* सरीखी नाट्य प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं. पर याद तो इसे सूफी भजनों की शानदार प्रस्तुतियों की वजह से किया जाएगा. अलबत्ता, हर कहीं इस बात की कसक महसूस होती रही कि जयप्रदा को एक घंटे के नृत्य के लिए 35-40 लाख रु. भुगतान करने वाली सरकार कबीर के नाम पर कुल 25 लाख रु. ही क्यों जुगाड़ पाई? —कुमार हर्ष

असली कहकर बिक रहा पेपर 'प्री यूनिवर्सिटी परीक्षा' का

गोरखपुर (हिसं)। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की परीक्षा 2006 का विभिन्न विषयों का असली पर्चा कह कर जो पेपर ठग बाजार में बेच रहे हैं दरअसल वह इसी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाराणा प्रताप कालेज जंगल धूसड़ का प्री यूनिवर्सिटी एक्जॉम का पर्चा है। इस बात का खुलासा अंततः गुरुवार को हो गया। यह पर्चा बेचने वाले 15 दिनों से लाखों रुपए कमा चुके।

विश्वविद्यालय के पर्चे के प्रतिरूप जैसा यह पर्चा खूब बिक रहा है। जैसा 'कंटर' वैसा दाम वसूला जा रहा है। 500 से 2000 रूपए तक में यह पर्चा बिक रहा है। शहर में तो कम लेकिन इस फर्जी पर्चे की बिक्री आस-पास के जिलों में अधिक हो रही है। इस खबर से विश्वविद्यालय प्रशासन भी परेशान है जबकि महाराणा प्रताप कालेज के प्राचार्य ने इस बात की पुष्टि 'हिन्दुस्तान' से कर दी है कि मार्केट में बिक रहा पर्चा उसी कालेज में हुए प्री यूनिवर्सिटी एक्जॉम का पर्चा है। दरअसल विश्वविद्यालय की परीक्षा चल रही है।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परीक्षा-2006

अभी तक विभिन्न तरह के अफवाहों और पर्चे बेच कर मोटी कमाई करने वाले ठगों के हाथ एक ऐसा मसाला (महाराणा प्रताप कालेज का पर्चा) हाथ आया कि वह 15 दिनों में मालामाल हो गए। दरअसल इसी सत्र में खुला यह कालेज प्रयोग के तौर पर

मालामाल हुए जालसाज

विश्वविद्यालय की परीक्षा के दो माह पहले अपने कालेज में प्री यूनिवर्सिटी एक्जॉम कराया। इस कालेज में विश्वविद्यालय के पर्चे के अनुरूप ही पर्चा छपवाया।

इसमें भी कोडिंग की गई। अंतर इतना है कि विश्वविद्यालय के पर्चे में पहले अंग्रेजी संस्करण रहता है उसके बाद उसका हिन्दी अनुवाद होता है जबकि महाराणा प्रताप कालेज के प्री यूनिवर्सिटी एक्जॉम में हिन्दी संस्करण पहले है और उसका अंग्रेजी अनुवाद बाद में। विश्वविद्यालय के पर्चे में केवल मैक्सीमम मार्क्स-100 और टाइम-1 हावर्स तथा पर्चे के सबसे ऊपर कोड, उसके बाद कक्षा, परीक्षा, सन और उसके नीचे विषय उसके नीचे प्रश्न पत्र अंग्रेजी में उल्लिखित होता है जबकि एम पी कालेज के पर्चे में हिन्दी में कोडिंग है, हिन्दी में ही पूर्णांक-100 और उत्तीर्णांक-45 दर्ज है। हिन्दी में ही समय-3 घण्टा दर्ज है। इसके अलावा इस पर्चे में अ, ब, ए, बी, य, र, द, स का भी उल्लेख किया गया है। दरअसल कालेज ने पूरी तरह से विश्वविद्यालय के पैटर्न पर ही प्री यूनिवर्सिटी एक्जॉम कराया। प्रथम दृष्टया विश्वविद्यालय का पर्चा लगने वाले इस पर्चे को मुँहमाँगी रकम पर ठगों ने बेच डाला।

परीक्षार्थी यह सोच कर मुँह माँगी रकम देकर पर्चा खरीद रहे हैं कि यह विश्वविद्यालय का असली पर्चा है। विश्वविद्यालय का पर्चा बेचने वालों से परीक्षार्थी अब असली या नकली का खुद सवाल-जवाब कर सकता है क्योंकि ये ठग केवल स्नातक प्रथम वर्ष का ही पर्चा दे पाएंगे। इसलिए क्योंकि इसी सत्र में शुरू हुए इस कालेज में केवल स्नातक प्रथम वर्ष की ही परीक्षा हुई है। परीक्षार्थियों को चाहिए कि वह स्नातक द्वितीय या तृतीय या परास्नातक का पर्चा माँग लें तो ठगों की कलई खुल जाएगी। वैसे भी विश्वविद्यालय के पर्चे में जो कोडिंग होती है उसमें क्रमशः अंक रहता है जबकि बाजार में बिक रहे पर्चे में अंक के साथ अक्षर की भी कोडिंग है। बहरहाल यह पर्चा शहर में कम देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती एवं संत कबीर नगर में इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के परीक्षार्थियों के लिए ज्यादा आकर्षण का विषय बना हुआ है।

बेहतर परिणाम के लिए कराई प्री यूनिवर्सिटी परीक्षा : प्राचार्य

गोरखपुर (सं.)। महाराणा प्रताप कालेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य डा प्रदीप राव ने गुरूवार को 'हिन्दुस्तान' से स्वीकार किया कि बाजार में जो पर्चा बिक रहा है वह उनके कालेज के प्री यूनिवर्सिटी एक्जॉम का ही पर्चा है। स्कूलों की तरह अर्द्धवार्षिक परीक्षा की अवधारणा उच्च शिक्षा के लिए कितनी उचित है, के जवाब में डा राव ने कहा कि बेहतर परिणाम के लिए हमने कालेज के परीक्षार्थियों को चेक करने के लिए यह परीक्षा कराई। निश्चित तौर पर हमने पूरी तरह से विश्वविद्यालय की परीक्षा का रिहर्सल कराया और आंतरिक तथा वाह्य परीक्षकों से पर्चा बनवाया। परीक्षार्थी इस बहाने अपना मूल्यांकन विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षा के पहले करने का अवसर पाए और आवश्यक सुधार करने का समय भी।

छात्र भ्रमित न हों, असली पर्चे के बाजार में आने का सवाल ही नहीं : परीक्षा नियंत्रक

गोरखपुर (सं.)। उधर पर्चा बाजार में बिकने से सकते में आया विश्वविद्यालय प्रशासन ने गुरूवार को 'हिन्दुस्तान' के माध्यम से परीक्षार्थियों से अपील की है कि छात्र भ्रमित न हों। परीक्षा की गोपनीयता और पवित्रता बरकरार रखने के लिए विश्वविद्यालय ने कठोर कदम उठाए हैं। किसी भी कीमत पर पर्चा बाजार में नहीं आ सकता। परीक्षा नियंत्रक डा अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि छात्रों को चाहिए कि वह इन ठगों से दूर रहें। जो पर्चा उन्हें मिल रहा है वह एम पी कालेज द्वारा कराए गए प्री यूनिवर्सिटी एक्जॉम का पर्चा है। क्या कोई कालेज प्री यूनिवर्सिटी एक्जॉम करा सकता है, के जवाब में परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि एक कालेज का आंतरिक मामला है। मुख्य परीक्षा विश्वविद्यालय कराता है। हमारे पर्चे और कॉपिया बाजार में नहीं आ सकते, यह हमारी जिम्मेदारी है। छात्रों को भी सावधान रहना चाहिए।

बिक रहा पर्चा महाराणा प्रताप महाविद्यालय का निकला

सहारा न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर, 6 अप्रैल। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के बीए प्रथम वर्ष (अंग्रेजी) के प्रश्नपत्र के नाम पर बाजार में बिक रहा पर्चा महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसढ़ का निकला है जिसे अर्द्धवार्षिक परीक्षा में बांटा गया था।

बीए प्रथम वर्ष की अंग्रेजी (प्रथम व द्वितीय) प्रश्नपत्र के पर्चे के आउट होने की अफवाह की तस्दीक कराये जाने के बाद यह तथ्य उजागर हुआ है कि वास्तव में यह पर्चा महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसढ़ महाविद्यालय की अर्द्धवार्षिक परीक्षा का है। इस पर्चे को बाजार में विश्वविद्यालय का बता कर बेचा जा रहा है। इस संबंध में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप राव का कहना है कि जिस प्रश्नपत्र के आउट होने की चर्चा है उसका कैच नं-337 'अ' व 337 'ब' है। यह नंबर महाराणा प्रताप महाविद्यालय की प्री-यूनिवर्सिटी की परीक्षा के प्रश्नपत्र की कैच संख्या है। डा. राव ने बताया कि महाविद्यालय के प्रश्नपत्रों पर पूर्णांक के साथ-साथ उत्तीर्णांक-45 भी छपा रहता है। इसके अलावा कैच संख्या के साथ 'अ', 'ब' व 'स' तक प्रकाशित रहता है जबकि विश्वविद्यालय के पर्चे पर केवल कैच नंबर, समय और पूर्णांक छपा रहता है। इसलिए परीक्षार्थियों को किसी प्रकार का भ्रम नहीं होना चाहिए।

■ पर्चे आउट होने की अफवाह पूरी तरह गलत

उधर गोरखपुर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. अजय कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि जिन पर्चों के आउट होने की अफवाह फैलायी जा रही हैं वह पूरी तरह गलत है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसकी पूरी जांच करा ली है। मूल पर्चे से आउट बताये जा रहे पर्चे का कैच नंबर भी भिन्न है। उनका कहना है कि बीए प्रथम वर्ष (अंग्रेजी) के पर्चे अभी विश्वविद्यालय को रिसीव भी नहीं हुए हैं।

राष्ट्रीय सहारा

6 अप्रैल, 2006

हिन्दुस्तान
लखनऊ, बुधवार, 05 अप्रैल, 2006

पर्चा असली है या नकली पर बिक खूब रहा है!

बीए प्रथम वर्ष अंग्रेजी के दोनों प्रश्न पत्र आउट?

गोरखपुर (हिसं)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की परीक्षा 2006 के बीए प्रथम वर्ष के अंग्रेजी का दोनों पर्चा आउट हो जाने का दावा किया जा रहा है। पर्चा बेचने वाले इसे असली बता रहे हैं और उनकी छाया प्रति बेच कर मुँहमाँगी रकम बटोर रहे हैं।

गोरखपुर विश्वविद्यालय

प्रथम दृष्टया ये पर्चे असली ही लगते हैं क्योंकि इन पर्चों पर वे सारी सूचनाएँ अंकित हैं जो असली पर्चों पर होती हैं। इसी तरह से एक पुरुष छात्रावास के एक कमरे से बीएस-सी गणित ग्रुप के सभी पर्चे बिकने की चर्चा आम थी। लेकिन ये पर्चे मूल पेपर से उतार लिए गए थे और परीक्षार्थियों का कहना है कि हूबहू वही पेपर परीक्षा में आए जबकि अंग्रेजी के दोनों पर्चे मुद्रित हैं। बाजार में ये चोरी-छिपे बिक रहे हैं।

दीदउ गोविवि के बीए प्रथम वर्ष अंग्रेजी विषय के प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा 12 अप्रैल को तथा द्वितीय प्रश्न पत्र की परीक्षा 15 अप्रैल को होनी है किन्तु यह तथाकथित पर्चा 2 अप्रैल से ही बाजार में उपलब्ध है। दो दिनों तक इसमें अंकित प्रश्नों को हाथ से लिख कर बेचा जा रहा था लेकिन मंगलवार को यह पर्चा अपने असली रूप में फोटोकॉपी की दुकान पर दिखा।

इस संवाददाता ने उस पर्चे की जिराक्स कॉपी बतौर ग्राहक कराई। बीए प्रथम वर्ष के अंग्रेजी विषय के प्रथम प्रश्न पत्र पर पेपर कोड-337-ए

(शेष पृष्ठ 17 पर)

20 जून 2006

हिन्दुस्तान 3
लखनऊ, मंगलवार, 20 जून, 2006

दो-दो बोर्ड साक्षात्कार लेगा प्रवेशार्थियों का

गोरखपुर (सं.)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 30 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी। एक अगस्त से बी ए, बी एस-सी एवं वाणिज्य प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हो जाएँगी। साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश लिया जाएगा। महाविद्यालय के प्रत्येक संकाय अथवा विषय समूह के पाँच-पाँच टॉपर छात्र-छात्राएं प्रवेश समिति की सदस्य मनोनीत किए गए हैं। उक्त निर्णय प्राचार्य डॉ प्रदीप राव की अध्यक्षता में प्रवेश समिति की बैठक में लिए गए।

प्रवेश समिति के संयोजक डॉ रत्नेश पाण्डेय ने बताया कि साक्षात्कार के लिए दो-दो बोर्ड गठित होंगे। एक बोर्ड छात्र-छात्राओं का तथा दूसरा शिक्षकों का। सर्वप्रथम अभ्यर्थी को साक्षात्कार के लिए छात्र-छात्राओं के बोर्ड से गुजरना होगा, उसकी स्वीकृति के बाद ही शिक्षकों के बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत होंगे, तत्पश्चात ही उनका प्रवेश हो पाएगा। डॉ पाण्डेय ने बताया कि 30 जून तक प्रवेश आवेदन पत्र प्राप्त करने तथा दो जुलाई तक प्रवेश आवेदन पत्र प्राप्त करने तथा दो जुलाई तक प्रवेश आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि है। 15 जुलाई को इण्टरमीडिएट अंक के आधार पर साक्षात्कार की तिथियां महाविद्यालय के बोर्ड पर चस्पा कर दी जाएंगी। प्रवेश समिति की बैठक में उक्त निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। कला संकाय में प्रवेश प्रभारी डा विजय चौधरी तथा डा ज्योति वर्मा, विज्ञान संकाय के प्रवेश प्रभारी डा आर एन सिंह एवं डा शिव कुमार बर्नवाल तथा वाणिज्य संकाय में प्रवेश प्रभारी डा अरविन्द शुक्ल एवं डा कृष्ण देव पाण्डेय होंगे।

..लेकिन यह छात्रसंघ तो काम करता रहेगा

रोक के कारण छात्र संघ पदाधिकारी शपथ न ले सके

छात्र संघ चुनाव पर रोक तुगलकी आदेश:योगी

एमपी महाविद्यालय छात्रसंघ कार्यक्रम में सांसद आदित्यनाथ एवं अन्य

गोरखपुर (सं.)। एक ओर जहाँ प्रदेश सरकार ने राजकीय और निजी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्रसंघ चुनावों पर रोक लगा दी है वहीं गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी एवं भाजपा सांसद योगी आदित्यनाथ द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ का छात्रसंघ काम करता रहेगा। ऐसा इसलिए होगा कि उसका गठन 31 अगस्त को ही हो गया। शनिवार को छात्रसंघ पदाधिकारियों का शपथग्रहण होना था मगर सरकारी रोक के कारण शपथ ग्रहण नहीं कराया गया। वैसे पूर्व निर्धारित समारोह हुआ। इस अवसर पर योगी ने छात्रसंघ चुनावों पर रोक को तुगलकी आदेश बताते हुए अपने महाविद्यालय के छात्रसंघ पदाधिकारियों से कहा कि वे अपने कार्य एवं आचरण से सरकार और छात्रों के समक्ष आदर्श प्रस्तुत करें।

दरअसल इस महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव 31 अगस्त को ही हो गया था। यहाँ पर चुनाव दूसरे तरह से होता है। महाविद्यालय में 36 सेक्शन हैं। हर सेक्शन से मेरिट के आधार पर कक्षा प्रतिनिधि चुना जाता है। इस तरह चुने हुए कुल 36 प्रतिनिधियों में से ही छात्रसंघ पदाधिकारियों का चुनाव होता है। एक तरह से छात्रसंघ में मेधावी छात्र ही रहते हैं। इस बार के चुनाव में कु बबिता सिंह अध्यक्ष, दीपक कुमार उपाध्यक्ष और सतीश शर्मा महामंत्री चुने गए थे।

शनिवार को समारोह शुरू होने से पहले महाविद्यालय के प्रबन्धक योगी आदित्यनाथ ने बतौर मुख्य अतिथि आए शिक्षा विभाग के पूर्व विशेष सचिव डा एलपी पाण्डेय से शपथग्रहण के विन्दु पर चर्चा की। विचार के दौरान कहा गया कि चूँकि इस बारे में जारी शासनादेश इस महाविद्यालय पर भी लागू होता है इसलिए बात माननी पड़ेगी। तब योगी ने कहा कि आदेश को देखते हुए केवल शपथ न दिलाई जाए। बाकी सारे काम हों। इस समारोह में योगी प्रदेश सरकार पर जम कर बरसे। उन्होंने छात्रसंघ चुनाव पर रोक को तुगलकी आदेश बताते हुए कहा कि यह सच है कि ज्यादातर छात्रसंघों पर अपराधी और माफिया हावी हो गए हैं। छात्रसंघ अराजकता के पर्याय माने जाने लगे हैं मगर उन्हें बचाना और ठीक करना सरकार का ही काम है। छात्रसंघ में यदि भटकाव आया है तो उसके लिए राजनीतिक दल और सरकारें ही दोषी हैं।

उन्होंने माँग की कि प्रदेश सरकार लिंगदोह कमेटी की रिपोर्ट पर अमल करते हुए छात्रसंघों की गरिमा बहाल कराए और फिर चुनाव भी कराए। यहाँ का छात्रसंघ इस दिशा में एक सार्थक पहल है। लिंग दोह कमेटी की रिपोर्ट से पहले ही इस महाविद्यालय ने सरकार और समाज के समक्ष एक आदर्श छात्रसंघ का मानक प्रस्तुत किया है। शिक्षा विभाग के पूर्व विशेष सचिव डा एलपी पाण्डेय ने कहा कि छात्रसंघों का स्वरूप बिगड़ा है मगर इस महाविद्यालय ने एक अनुकरणीय प्रतिमान खड़ा किया है। शैक्षिक परिसर ठीक हो, छात्रसंघ उसका सहयोगी अंग बने यह प्रयास किया जाना चाहिए। अध्यक्षा बबिता सिंह, उपाध्यक्ष दीपक कुमार और महामंत्री संदीप शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए।

हिन्दुस्तान लखनऊ, रविवार, 9 सितम्बर, 2007

राज्य सरकार द्वारा शासनादेश जारी कर छात्रसंघ चुनाव पर रोक

प्रयोगों के साथ पढ़ाई

उच्च शिक्षा की प्रयोगशाला बना यह कॉलेज उत्कृष्टता और आदर्श परिस्थितियों का संयोग है

अनुशासन का पाठः कॉलेज में हो रही प्रार्थना

इस महाविद्यालय में सुबह 8 बजे से भक्ति संगीत की सुमधुर लहरियां धीरे-धीरे तैरने लगती हैं. ठीक 9.25 बजे छात्र, शिक्षक और कर्मचारी 'प्रार्थना' के लिए जुट जाते हैं. साल में दो बार अभिभावक बैठक होती है जिसमें वे अपने पाल्यों के व्यवहार और प्रगति की जानकारी लेते-देते हैं और हर शनिवार छात्र ही नहीं, शिक्षक और कर्मचारी भी वर्दी में आते हैं. यही नहीं, इस कॉलेज में हर सप्ताह एक दिन कक्षाएं छात्र लेते हैं. साल में दो बार वे शिक्षकों के प्रदर्शन का लिखित मूल्यांकन करते हैं. और कॉलेज में प्रवेश के लिए सबसे पहले जिस प्रवेश समिति के सामने पेश होना पड़ता है, उसमें केवल छात्र होते हैं. शिक्षक नेता रहे डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र कहते हैं, "ऐसे दौर में, जब प्रदेश में उच्च शिक्षा परिसर अराजकता और अनुशासनहीनता के अखाड़े बन गए हों, सरकारों को छात्र संघों पर पाबंदी लगानी पड़े, किसी महाविद्यालय में ऐसी बातें सचमुच चौंकाती हैं."

गोरखपुर के पूर्वी उत्तरी छोर पर जंगल धूसड़ इलाके में बना महाराणा प्रताप महाविद्यालय पिछले तीन साल से उच्च शिक्षा की प्रयोगशाला के रूप में उभरा है, जहां उत्कृष्टता और आदर्श परिस्थितियों का संयोग आज के दौर में अविश्वसनीय ही नहीं, अकल्पनीय भी लगता है. प्रसिद्ध गोरक्षपीठ की ओर से 1932 में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के डेढ़ दर्जन से अधिक शैक्षणिक प्रकल्पों में से एक, इस प्रकल्प के प्रबंधक, उग्र हिंदुत्व के पैरोकार के रूप में चर्चित भाजपा सांसद योगी आदित्यनाथ हैं. वे कहते हैं, "इन प्रयोगों का उद्देश्य यह है कि यहां अध्ययन-अध्यापन करने वाले युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के अलावा देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का भी पाठ पढ़ें." शायद तभी कॉलेज में "15 अगस्त और 26 जनवरी को उपस्थिति अनिवार्य है."

इस कॉलेज में अनुशासन पर काफी जोर है. विद्यार्थी कोई धूम्रपान नहीं करते, सो दीवारें अन्य परिसरों की तरह पीक से बदरंग नहीं हैं. अमूमन अराजकता के सबसे बड़े संभावना क्षेत्र बताए जाते छात्र संघ का चेहरा यहां बेहतर दिखता है. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव बताते हैं, "हमारे यहां 36 वर्ग हैं जिनके टॉपर छात्र परिषद के सदस्य होते हैं. वे मतदान करके अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महामंत्री चुनते हैं. हां, छात्र संघ के संविधान या संशोधनों के बारे में फैसला छात्रों की आम सभा में होता है." इन्हीं 36 में से 6 सदस्य प्राक्टोरियल बोर्ड में, 3 पुस्तकालय समिति में, 3 सांस्कृतिक समिति में, 6 क्रीडा समिति में तथा 3 स्वच्छता समिति में भी होते हैं. इस बार सरकार ने छात्र संघों पर पाबंदी लगा दी है, पर कॉलेज में इससे पहले ही परिषद का गठन हो चुका था लिहाजा वह कायम है.

पर इन प्रयोगों में पढ़ाई का स्तर बना रहे इसके लिए भी खास इंतजाम दिखते हैं. सभी प्रयोग-शालाएं मानकों पर खरी उतरती हैं. 'वातावरण सृजन' के लिए प्रयोगशालाओं से लेकर व्याख्यान कक्षों तक के नाम प्रख्यात वैज्ञानिकों और गणमान्य विभूतियों के नाम पर रखे गए हैं. गोरखपुर विवि से संबद्ध इस कॉलेज में मासिक टेस्ट के अलावा विश्वविद्यालयी परीक्षाओं से पूर्व टेस्ट भी होते हैं ताकि छात्रों को अपने प्रदर्शन का पूर्वानुमान हो सके. शिक्षकों का प्रदर्शन सुधरता रहे सो वर्ष में दो बार छात्र उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन प्रपत्र भरते हैं जिसे संबंधित शिक्षक को भी देखने दिया जाता है. कॉलेज के शिक्षक डॉ. अविनाश प्रताप सिंह कहते हैं, "शुरू में अजीब लगा, पर इससे हमें अपने स्तरोन्नयन में मदद मिलती है." कॉलेज की लाइब्रेरी में टॉपरों की कापियां भी सार्वजनिक अवलोकन के लिए रखी जाती हैं.

"उद्देश्य यह है कि यहां के छात्र-शिक्षक शिक्षा के अलावा देश और समाज के प्रति निष्ठा और अटूट श्रद्धा का भी पाठ पढ़ें."
योगी आदित्यनाथ, *भाजपा सांसद*

"हमारे यहां 36 वर्ग हैं जिनके टॉपर छात्र परिषद के सदस्य होते हैं और वे ही अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महामंत्री चुनते हैं."
डॉ. प्रदीप राव, *प्राचार्य, म.प्र. महाविद्यालय*

दरअसल यह कॉलेज योगी की उस दूरगामी रणनीति का भी हिस्सा दिखता है जिसमें वे 'हिंदुत्व और विकास' के अपने साझा एजेंडे को ठोस आधार देना चाहते हैं. बकौल उनके एक आलोचक, "उन्हें बखूबी पता है कि मध्य वर्ग उत्कृष्टता की चाह में बेचैन है. वे यही भुना रहे हैं."

शायद यह सच भी है. पिछले कुछ समय में वे आक्रामक नेता, भावुक युवा और चतुर राजनीतिज्ञ के अलावा 'मैनेजमेंट गुरु' के रूप में भी उभरे हैं. इस कॉलेज के अलावा अपने प्रबंधन वाले गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय को भी उन्होंने ऐसे ही प्रयोगों के चलते तीसरे वर्ष में ही लाभ में पहुंचा दिया है. 'उत्तम प्रदेश' की आस में लगातार भटकते इस इलाके को शायद यही चाहिए. —कुमार हर्ष

12 रुपए

'देश का मिज़ाज़': जनमत सर्वेक्षण • कैसे बचाएं आयकर

1 फरवरी, 2006

इंडिया टुडे

17 अक्टूबर 2007

बिना सुनवाई, हुई रिहाई

नए दस्तावेजों से हुआ खुलासा कि बोफोर्स घोटाले में आरोपित इतालवी व्यवसायी क्वात्रोकि के खिलाफ सरकार ने मामला लगभग बंद किया. *इंडिया टुडे* की पड़ताल

www.indiatoday.com

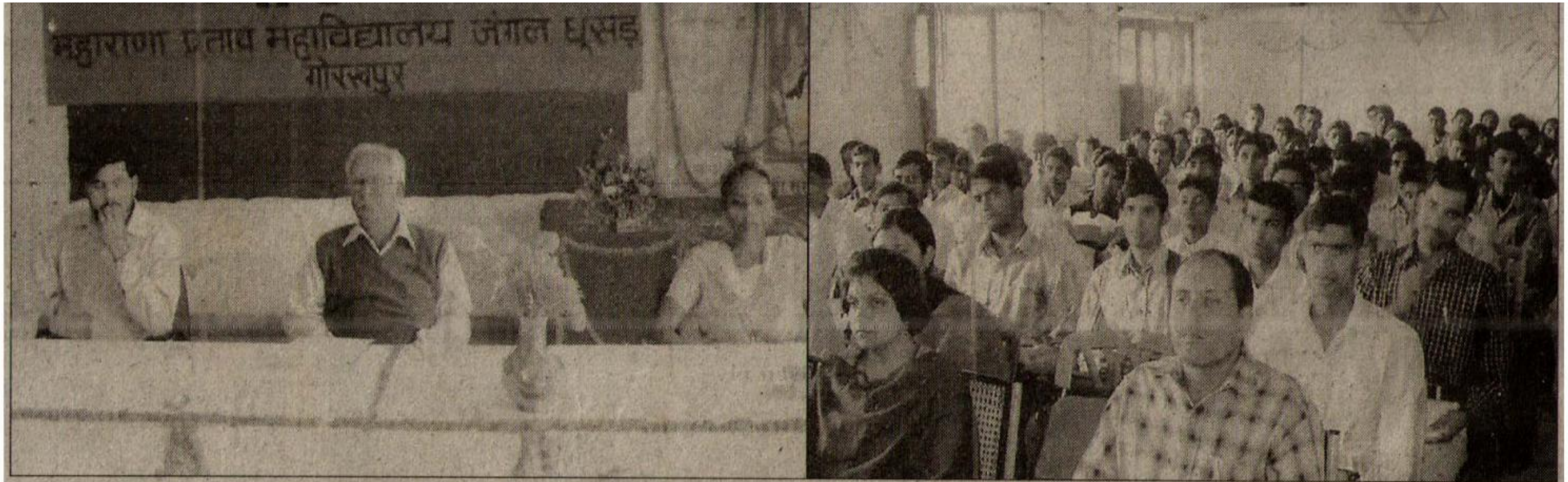

27 नवम्बर 2007

एमपी कालेज में शोध पत्र प्रस्तुत करते छात्र-छात्राएँ

हिन्दुस्तान लखनऊ, मंगलवार, 27 नवम्बर, 2007

भारत के विकास का मूल मंत्र रहा है शोध : प्रो सूरज

गोरखपुर (सं.)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय व्याख्यान माला में 44 छात्र-छात्राओं ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया । दो दिनों तक कालेज द्वारा आयोजित व्याख्यान में अभिनव प्रयोग करते हुए छात्रों को शोध में रूचि बढा़ने का प्रयास किया गया।

समापन के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो सूरज लाल श्रीवास्तव ने कहा कि शोध भारत के विकास का मूलमंत्र रहा है। विश्व के किसी भी देश के विकास का यदि हम इतिहास देखे तो यह स्वतः ही स्पष्ट हो जाता है। प्राचीन भारत में जबकि औषधि विज्ञान का विकास आज के संदर्भ में नहीं हुआ था तब भी चरक ने अनेक जड़ी बूटियों की खोज करके अनेक

छात्रों में शोध में रूचि बढा़ने का अभिनव प्रयोग

44 प्रतिभागियों ने पढ़ा शोध पत्र

रोगों के इलाज में प्रयुक्त कर स्वस्थ्य भारत के निर्माण की नींव रखी थी। लगभग सभी भारतीय धर्मग्रंथ हमें जीवन जीने का कहीं से कही प्रत्यक्ष रुप से सबलता प्रदान करते हैं। प्रो लाल ने कहा कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय द्वारा इस प्रकार का आयोजन करके जिसमें इतनी संख्या में छात्र-छात्राओं द्वारा भाग लिया जाना अपने आप में अनुकरणीय है।

इससे पूर्व दो दिन तक चले इस व्याख्यान में 44 प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। जिनमें विशेष रुप से विज्ञान संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त जैन्मिनी चौधरी ने सूक्ष्म जीवों का हमारे जीवन में महत्व विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि सूक्ष्म जीवों का हमारे पर्यावरण भूमि की उर्वरकता एवं हमारे दैनिक जीवन में अत्यधिक महत्व है। द्वितीय स्थान प्राप्त प्रियंका दुबे ने जीन संश्लेषण विषय पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान में तृतीय स्थसान पर रहे आशुतोष कुमारश्रीवास्तव ने रसायन विज्ञान के हमारे दैनिक जीवन में प्रभाव विषय पर व्याख्यान दिया। कला संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त विद्या सागर प्रजापति ने तीव्र जनसंख्या वृद्धि एवं उसकी अनुक्रियाएँ शीर्षक पर अपना व्याख्यान दिया। द्वितीय स्थान प्राप्त अर्चना गुप्ता ने निराला के काव्य में प्रगतिशील चेतन विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। तृतीय स्थान प्राप्त शमा अफरोज ने ऋग्वेद से राजपूत काल तक नारियों की दिशा विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। वाणिज्य संकाय में अजय गुप्ता ने विज्ञापन एक विज्ञापन एक परिचय विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। महाविद्यालय की छात्रा जैस्मिन चौधरी, अनुराधा एवं अंजनी त्रिपाठी द्वारा सरस्वती बंदना प्रस्तुत किया गया। आभार ज्ञापन छात्रसंघ अध्यक्ष बबिता सिंह ने किया। अन्त में कार्यक्रम के संयोजक भौतिकी प्रवक्ता संतोषकुमार ने कार्यक्रम में सहयोग के लिए डॉ. विजय चौधरी, डॉ. आरएन सिंह, डॉ. स्नेहलता, डॉ. अविनाश, डॉ. अल्का, सुश्री ज्योति वर्मा, डॉ. कृष्ण देव, डॉ. बबिता, डॉ. शालिनी, डॉ. अर्चना, डॉ. प्रवीण, डॉ. प्रकाश, डॉ. सत्यप्रकाश को धन्यवाद ज्ञापित किया।

शोध संस्कृति विकसित करने का अभिनव प्रयोग

गुणवत्तायुक्त परीक्षा का अभियान

दैनिक जागरण

शनिवार, 10 मई, 2008

परीक्षा की गड़बड़ियों को लेकर कुलाधिपति को पत्र लिखा

नगर प्रतिनिधि, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ियों एवं उसके प्रति विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा बरती जा रही उदासीनता को लेकर महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के प्राचार्य डा. प्रदीप राव ने कुलाधिपति को पत्र लिखा है।

अपने पत्र में डा. राव ने कुलपतिविहीन विश्वविद्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं को इंगित करते हुए लिखा है कि परीक्षा केंद्र के मानकों को ताख पर रखकर दागी महाविद्यालयों को केंद्र बना दिया गया है। विश्वविद्यालय केंद्र पर बाहर से कापियां लिखकर पहुंचायी जा रही है एवं छात्रनेता अतिथि की तरह परीक्षा दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि अनेक महाविद्यालयों मे आलेख बोलकर प्रश्नपत्र हल कराया जा रहा है और रही-सही कसर स्तरहीन मूल्यांकन ने पूरी कर दी है। उन्होंने कुलाधिपति से इन मामलों को संज्ञान में लेते हुए देश एवं समाज के हित में इस उच्च शिक्षण संस्थान की गरिमा बचाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया है।

हिन्दुस्तान, बुधवार 10 जून 2009, लखनऊ

महाराणा प्रताप कॉलेज जंगलधूसड़, गोरखपुर

कॉलेज प्रोफाइल

जहाँ प्रार्थना से शुरू होती है पढ़ाई

- प्रदेश का इकलौता कॉलेज जहाँ छात्रसंघ सक्रिय है और वरिष्ठ छात्र प्रवेश लेने वालों का साक्षात्कार लेते हैं
- एकमात्र कॉलेज जहाँ शिक्षकों का मूल्यांकन छात्र करते हैं

रोहित पाण्डेय गोरखपुर

शायद उच्च शिक्षा की समझ रखने वालों को यह आश्चर्यजनक लगे मगर यह सत्य है कि पूर्वांचल में एक कॉलेज ऐसा भी है जहाँ प्रार्थना से मिशन ग्रेजुएशन की शुरुआत होती है। प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों की तर्ज पर सुबह कॉलेज के छात्र कतारबद्ध होकर ईश और राष्ट्र आराधन करने के बाद विषयों की पढ़ाई करते हैं। कॉलेज की साख और पढ़ाई के माहौल के कारण ही इसे नेशनल मीडिया में खूब सुर्खियाँ मिली हैं। वैसे तो इसे संचालित करने वाले महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के पास लगभग तीन दर्जन शैक्षणिक संस्थाएँ हैं मगर शहर के कोलाहल से दूर देहात में स्थित महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगलधूसड़ सबको अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

इस कॉलेज को मॉडल कॉलेज बनाने का सपना प्रबन्ध समिति के सचिव और सांसद योगी आदित्यनाथ का है तो इसके प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव और उनके सहयोगी शिक्षक और छात्र योगी के सपने को पूरा करने के लिए संकल्पित हैं। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध यह पहला कॉलेज है जहाँ प्री-यूनिवर्सिटी इक्जाम होते हैं। यह प्रदेश का इकलौता कॉलेज है, जहाँ छात्रसंघ बहाल है। यहाँ का छात्रसंघ कॉलेज की विभिन्न समितियों में सक्रिय भूमिका अदा करता है। मसलन नियंता मंडल, प्रवेश समिति, विकास समिति, खेल और पुस्तकालय समिति आदि में छात्रसंघ की भूमिका होती है।

इतना ही नहीं, यह इकलौता कॉलेज है जहाँ अपने अनुजों का प्रवेश लेने के लिए अग्रज साक्षात्कार लेते हैं। वरिष्ठ छात्रों का बोर्ड जब छात्रों के प्रवेश के लिए हरी झण्डी देता है, तभी उनका प्रवेश शिक्षकों का बोर्ड करता है। अगर छात्रों के बोर्ड ने मना कर दिया तो सुनवाई जरूर शिक्षक बोर्ड करता है मगर परिणाम में परिवर्तन अपरिहार्य परिस्थितियों में ही होता है। यही एक कॉलेज है जहाँ शिक्षकों का मूल्यांकन छात्र करते हैं।

शहर से सात किमी उत्तर-पूरब में गोरखपुर-पिपराइच रोड पर कॉलेज खोलने के पीछे प्रबन्ध समिति की मंशा रही की गाँव-गिराँव के विद्यार्थियों को वहीं शिक्षा दे दी जाए। यहाँ बीए, बीकॉम और बीएससी की पढ़ाई होती है। दो बैच अब तक निकल चुका है। यह कॉलेज वर्ष भर गोष्ठियों [illegible] प्रशासन [illegible] अक्सर [illegible] नारा ही है [illegible] आओ। [illegible] पूरी [illegible] गुरुकुल [illegible] तत्पर है। [illegible] जिसका [illegible] के [illegible]

कोर्स	सीटें	[illegible]
बीए	372	[illegible]
विषय : प्राचीन इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, भूगोल, हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र		
बीएससी	160	[illegible]
बीएससी बायो	80	
बीएससी मैथ	80	
बीकॉम	160	[illegible]
एमए	प्रस्तावित	

15 जून

अमर उजाला गोरखपुर, सोमवार, 15 जून, 2009

2009

जहां 'क्वालिटी' और 'कल्चर' है पढ़ाई का आधार

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। करीब पांच वर्ष पहले शहर से सात किलोमीटर दूर गोरखपुर पिपराइच मार्ग पर स्थापित महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ संस्कारपूर्ण स्तरीय उच्च शिक्षा केंद्र के रूप में तेजी से उभरा है। स्नातक स्तर पर जो कालेज पठन-पाठन के साथ सक्रिय पाठ्येत्तर गतिविधियों के लिए जाने जाते हैं उनमें यह कालेज शामिल है। यही वजह है कि डिग्री की पढ़ाई के लिए छात्र इसे प्राथमिकता वाले कालेजों में रखते हैं।

यहां साइंस, कामर्स और आर्ट तीनों संकायों की कक्षाएं चलती हैं। 'क्वालिटी एजूकेशन' में 'प्रैक्टिकल एजूकेशन' प्राथमिकता में शामिल है। कालेज के प्राचार्य डा. प्रदीप राव कहते हैं कि यहां दिन की शुरुआत भक्ति संगीत की सुमधुर सुर लहरियों के साथ होती है। नियमित प्रार्थना कालेज की पहचान है। क्वालिटी एजूकेशन के अंतर्गत कक्षाओं के नियमित संचालन के साथ छात्रों को प्रैक्टिकल की उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध हैं। मेधावी छात्रों को कालेज की प्रशासनिक और शैक्षिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी दी जाती है ताकि पढ़ाई के साथ-साथ प्रशासनिक कौशल और नेतृत्व का उनमें तेजी से विकास हो।

वह कहते हैं कि गोष्ठी, सेमिनार और प्रतियोगिताएं कालेज की सक्रिय गतिविधियों का हिस्सा हैं। वह इस कालेज को विश्वविद्यालय का माडल कालेज बनाना चाहते हैं। इस बार से पीजी कक्षाएं भी शुरू करने की तैयारी है।

यह भी जानिए

- प्रवेश इंटरमीडिएट की मेरिट और इंटरव्यू के आधार पर।
- सामान्य वर्ग के छात्रों को प्रवेश के लिए इंटरमीडिएट में 40 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है।
- कालेज में 15 अगस्त और 26 जनवरी को छात्रों की उपस्थित अनिवार्य है।
- मासिक टेस्ट और प्री यूनिवर्सिटी एग्जाम होता है।
- कालेज में छात्र संघ के स्थान पर 36 वर्गों के मेधावी छात्रों के बीच से छात्र परिषद का गठन।
- कालेज के टापरों की कापियां लाइब्रेरी में देखने के लिए रखी जाती हैं।

प्रवेश कार्यक्रम

आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि : 30 जून
जमा करने की अंतिम तिथि : 5 जुलाई।
प्रवेश अर्हता सूची का प्रकाशन : 15 जुलाई।
प्रवेश : 16-30 जुलाई।
कक्षा प्रारंभ : एक अगस्त।

कोर्स	सीटें	शुल्क
बीए : प्राचीन इतिहास, अर्थशास्त्र	372	4000
राजनीति विज्ञान, भूगोल, हिंदी, अंग्रेजी और समाजशास्त्र	80	6400
बीएससी : बायो, मैथ	80	6400
बीकाम	160	5500